नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-I

(भोजपुरी साहित्य का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2016

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. साहित्येतिहास कला ह कि विज्ञान ? विवेचन करीं ।
2. साहित्येतिहास के पाश्चात्य–दृष्टि पर एगो निबंध लिखीं ।
3. भोजपुरी के आदिकालीन साहित्य के पृष्ठभूमि के परिचय दीहीं ।
4. सिद्ध साहित्य के वर्ण्य–विषय पर प्रकाश डाली ।
5. 'नाथ' शब्द से रऊआ का समुझतानी ? नाथ–साहित्य के सिद्धान्त पक्ष के विवेचना करीं ।
6. भक्तिकाल के स्वर्णयुग काहे कहल जाला ? तर्कपूर्ण उत्तर दीहीं ।
7. भोजपुरी संत साहित्य के मूल तत्त्व प्रकाश डालीं ।
8. संतसाहित्य के प्रमुख कवियन (कबीर के आतिरिक्त) के विचार धारा पर प्रकाश डालीं ।
9. साधनात्मक रहस्यवाद के स्वरूप पर प्रकश डालीं ।
10. सरभंग सम्प्रदाय के भक्ति–भावना के विवेचन करीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2016

M.A. Bhojpuri, Part–I

Date	*Paper*	*Time*	*Examination Centre*
02.04.2016	Paper–I	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
04.04.2016	Paper–II	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
06.04.2016	Paper–III	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
08.04.2016	Paper–IV	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
11.04.2016	Paper–V	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
12.04.2016	Paper–VI	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
14.04.2016	Paper–VII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
16.04.2016	Paper–VIII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-II

(भोजपुरीतर अन्य क्षेत्रीय भाषा-साहित्य के अध्ययन)

वार्षिक परीक्षा, 2016

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. अवधी भाषा के संक्षिप्त व्युत्पत्तिगत परिचय दीहीं ।
2. समकालीन अवधी कविता पर एगो निबंध लिखीं ।
3. विद्यापति प टिप्पणी लिखीं ।
4. मैथिली उपन्यास के विकास प चर्चा करीं ।
5. मगही भाषा के नामकरण आ विकास यात्रा पर एगो निबंध लिखीं ।
6. मगही लोक साहित्य पर एगो निबंध लिखीं ।
7. बज्जिका के ध्वनि, ध्वनि–भेद आ ध्वनि परिवर्तन के बारे में बताई ।
8. बज्जिका के प्राचीन साहित्य के परिचय दीं ।
9. अंगिका के कृदन्त आ अव्यय के बारे में बताई ।
10. अंगिका के आधुनिक साहित्य का विविध विधन से परिचय कराई ।

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2016

M.A. Bhojpuri, Part–I

Date	*Paper*	*Time*	*Examination Centre*
02.04.2016	Paper–I	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
04.04.2016	Paper–II	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
06.04.2016	Paper–III	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
08.04.2016	Paper–IV	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
11.04.2016	Paper–V	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
12.04.2016	Paper–VI	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
14.04.2016	Paper–VII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
16.04.2016	Paper–VIII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-III

(भारतीय काव्य शास्त्र)

वार्षिक परीक्षा, 2016

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. 'भारतीय काव्य शास्त्रनि के एगो लमहर परम्परा बा' एह कथन के सत्यापित करीं ।
2. काव्य के प्रमुख भेदनि के आलोक में मुक्तक आ महाकाव्य प प्रकाश डालीं ।
3. काव्य–उत्पत्ति के कारणनि प प्राचीन काव्य–शास्त्रज्ञनि का मतनि के आधार प चरचा करी ।
4. काव्य का आत्मा के सम्बंध में भारतीय आचार्यनि के मतनि का आलोक में एगो संतुलित विचार राखी ।
5. लक्षणा शब्द–शक्ति के परिभाषा देत ओकर मुख्यभेदनि के सोदाहरण बताई ।
6. अलंकार सम्प्रदाय प एगो लघु निबंध लिखीं ।
7. वक्रोक्ति–सिद्धान्त का संदर्भ में आचार्य कुंतक के महत्त्व अंकित करीं ।
8. ध्वनि–सिद्धान्त के प्रमुख सिद्धान्त आ ओकर मान्यता प विचार करीं ।
9. रस सिद्धान्त के महत्त्व, व्यापकता आ एह सम्बंध में आधुनिक दृष्टिकोण का चरचा करीं ।
10. नीचा लिखल छंदनि के लक्षण आ मात्रा बताई :–

    गीतिका, चौपाई, सोरठा, मन्दाक्रांता ।

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2016

M.A. Bhojpuri, Part–I

Date	*Paper*	*Time*	*Examination Centre*
02.04.2016	Paper–I	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
04.04.2016	Paper–II	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
06.04.2016	Paper–III	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
08.04.2016	Paper–IV	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
11.04.2016	Paper–V	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
12.04.2016	Paper–VI	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
14.04.2016	Paper–VII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
16.04.2016	Paper–VIII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-IV

(भोजपुरी आलोचना साहित्य)

वार्षिक परीक्षा, 2016

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. आलोचना का प्रकार पर प्रकाश डालीं ।
2. आलोचना के परिभाषा आ स्वरूप पर विचार करीं ओकरा उद्देश्य के बारे में विस्तार से बताईं ।
3. भोजपुरी के व्यावहारिक आलोचना के इतिहास पर संक्षेप में प्रकाश डालीं ।
4. भोजपुरी के सैद्धान्तिक आलोचना में डॉ० विश्व रंजन के योगदान के प्रस्तुत करीं ।
5. 'भोजपुरी सम्मेलन पत्रिका' में प्रकाशित पुस्तक–समीक्षा के परिचय सोदाहरण देत ओकर योगदान के चर्चा करीं ।
6. भोजपुरी आलोचना के विकास में शोध–प्रबन्ध के योगदान पर प्रकाश डालीं ।
7. डॉ० उदयनारायण तिवारी के आलोचना पद्धति पर विचार करीं ।
8. पं० गणेश चौबे जी के आलोचनात्मक योगदान के संक्षिप्त ब्यौरा दी आ उनका आलोचना पद्धति के विशेषता बतलाईं ।
9. महेश्वराचार्य जी के भिखारी साहित्य पर कइल गइल समीक्षा कार्य के विवरण देत, समीक्षा के विशेषता के रेखांकित करीं ।
10. डॉ० तैयाब हुसैन 'पीड़ित' के प्रगतिवादी समीक्षा के परीक्षण करीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-V

(प्रयोजनमूलक भोजपुरी)

वार्षिक परीक्षा, 2016

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. प्रयोजनमूलक भासा आ साहित्यिक भासा में अन्तर बताईं ।
2. अनुवाद के प्रक्रिया पर प्रकाश डाली ।
3. शब्दानुवाद आ भावानुवाद में का अन्तर बा ?
4. पारिभाषिक शब्द से का समझत बानी ? ओकर विशेषता पर प्रकाश डालीं ।
5. संक्षेपण के अर्थ आ विधि पर प्रकाश डालीं ।
6. निम्नलिखित में से कोनो दो के पल्लवित करीं :–
   (क) चरित बल सबसे बड़ बल हे ।
   (ख) जीव न लहै सुख हरि प्रतिकूला
   (ग) अनेकता में एकता
   (घ) उद्योग सफलता की जननी है ।
7. कार्यालय टिप्पणी के विभिन्न रूपन पर प्रकाश डालीं ।
8. जनसंचार के का अर्थ होला ? ओकर प्रमुख भेदन पर संक्षेप में प्रकाश डालीं ।
9. 'संवाद' आ 'पटकथा' से का समझत हई । एकर फिल्म में का महत्त्व होला ?
10. इम्तिहान सम्बंधी जानकारी खातिर अपना दोस्त के चिट्ठी लिखीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-VI

(भोजपुरी लोकसाहित्य)

वार्षिक परीक्षा, 2016

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. लोक साहित्य के संक्षिप्त परिचय दीहीं ।
2. 'लोक साहित्य शिष्ट साहित्य के मानदण्डों पर खर्रा बा' अपना तर्कपूर्ण विचार के प्रस्तुत करीं ।
3. लोक कथा के परिभाषा देत एकर वैशिष्ट्य आ वर्गीकरण प्रस्तुत करीं ।
4. लोकनाट्य परम्परा पर प्रकाश डालीं ।
5. संस्कार का ह ? भोजपुरी क्षेत्र के आजो प्रचलित संस्कार का बा आ ओकर महत्त्व पर प्रकाश डालीं ।
6. ऋतु गीतन के महत्त्व का, विविध ऋतुअन में गावल जायवाला लोकगीतन के विषय में संक्षिप्त टिप्पणी सोदाहरण लिखीं ।
7. 'बेटी के बिदाई' से सम्बंधित कवनो संस्कारगीत के महत्व सोदाहारण प्रस्तुत करीं ।
8. लोकगाथा के वर्गीकरण पर निबंध लिखीं ।
9. कथा साहित्य में लोककथा के स्थान निरूपित करीं ।
10. 'भोजपुरी लोक गीतन में संस्कृति' विषय पर निबन्ध लिखीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-VII

(भोजपुरी कहानी)

वार्षिक परीक्षा, 2016

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. भोजपुरी कहानी के विरासत के रूप में जवन परम्परा मिलल बा, ओकरा पर एगो लघु आलेख प्रस्तुत करीं ।
2. कहानी के कथानक के उपयोगिता आ महत्त्व पर प्रकाश डालीं ।
3. प्रगतिशील कहानी के मुख्य गुण–दोष के विवेचन करीं ।
4. 'अपना घर के आदमी' के उद्देश्य पर आपन विचार प्रस्तुत करीं ।
5. 'भैरवी के साज' कहानी के कथावस्तु लिखीं ।
6. 'एगो आउर अभिमन्यु' के नायक के चरित्र–चित्रण करीं ।
7. 'मूस बिलाई के खेल' के शीर्षक की सार्थकता के विवेचन करीं ।
8. कहानीकला की दृष्टि से 'कोढ़' कहानी के समीक्षी करीं ।
9. 'भूतहा पीपर' के संरचना शिल्प पर प्रकाश डालीं ।
10. सप्रसंग व्याख्या करीं :–
    (क) ''का करब रउरा अतना कुल्हि राख के । के बा रउरा ? काहे माया में फँसल बानी ? रामो जी त कोल–भील–बानर का हित में काम कइले । रउरा जस गवाये लागी अगर.... ।''
    (ख) प्रायः अइसन हालत में परनी के छठवाँ इन्द्रिय जाग जालाआ ऊ पति पर आवत संभावित खतरा के तुरंत भाँप जाले । बाकी अइसन कुछ भइल ना । उल्टे रेखा का तरफ से राह शह लागल

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-VIII

(भोजपुरी निबन्ध)

वार्षिक परीक्षा, 2016

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. भोजपुरी के विकास में कवन सभ विद्वान के योगदान बा ? ओह सभन के संक्षिप्त परिचय दीहीं ।
2. डॉ० उदयनारायण तिवारी के साहित्यिक व्यक्तित्व पर प्रकाश डालीं ।
3. भोजपुरी भाषा के एकरूपता खातिर गणेश चौबे के दीहल सुझाव पर प्रकाश डालीं ।
4. 'कजली बनारस क' निबंध के विशेषता अपन भाषा में लिखीं ।
5. जूता पूराना भइला पर ओकरा के काहे राखल जाई आ कवना विधि से बचावल जाई ? पाठ के अनुसार लिखीं ।
6. डॉ० विवेकी राय 'खटिया' के काहे तमोगुनी कहत बानी ? एक पर प्रकाश डालीं ।
7. 'पानी' निबंध के समीक्षा करीं ।
8. 'पुल कमजोर बा' के सामाजिक, दार्शनिक पक्ष या संदर्भ उजागर करीं ।
9. 'समुंदर के हलफन से भिड़त' निबन्ध के धार्मिक संदर्भ का बा ? विस्तार से लिखीं ।
10. समकालीनता पाठ के आधार पर समकालीन साहित्य के विशेषता अपना शब्दन में लिखीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-II, पत्र-IX

(आधुनिक भोजपुरी साहित्य के इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2016

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. आधुनिक भोजपुरी कविता के काल विभाजन आ नामकरण के का आधार बा? एकर व्यापक समीक्षा उदाहरण सहित प्रस्तुत करीं।
2. आधुनिक भोजपुरी कविता में स्वतंत्रता–पूर्व राष्ट्रीय चेतना आ देश भक्ति भावना के सोदाहरण विवेचन करी।
3. भोजपुरी कहानी साहित्य के प्रमुख चार कहानीकार के परिचय दीं।
4. कहानीकार मधुकर सिंह के कहानी कला के विवेचन करीं।
5. भोजपुरी के पहिलका उपन्यासकार के है? उहाँ के परिचय दीहीं।
6. भोजपुरी निबन्ध के उद्‌गम आ विकास पर एगो निबंध लिखीं।
7. भोजपुरी नाटक के परिचय दीं।
8. नाटककार के रूप में सुरेश कांटक के परिचय दीं।
9. भोजपुरी के प्रमुख पत्रिकन के परिचय दीं।
10. भोजपुरी आलोचना साहित्य के विकास प एगो लमहर निबन्ध लिखीं।

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2016

M.A. Bhojpuri, Part-II

Date	Papers	Time	Examination Centre
02.06.2016	Paper-IX	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
04.06.2016	Paper-X	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
06.06.2016	Paper-XI	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
08.06.2016	Paper-XII	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
10.06.2016	Paper-XIII	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
14.06.2016	Paper-XIV	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
16.06.2016	Paper-XV	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
18.06.2016	Paper-XVI	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-II, पत्र-X

(भाषा विज्ञान)

वार्षिक परीक्षा, 2016

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

प्रत्येक खंड से कम से कम दू गो प्रश्न के चुनाव करत कुल पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं।
सब प्रश्न के अंक समान बा।

खण्ड–"क"

1. भाषा के वैज्ञानिक परिभाषा लिखीं आ ओकर विश्लेषण करीं।
2. कब बोली भाषा बन जाले? भाषा आ बोली में अंतर स्पष्ट करीं।
3. ध्वनि परिवर्तन से का तात्पर्य बा? ध्वनि परिवर्तन के कारण सोदाहरण लिखीं।
4. वाक्य प्रकारन पर संक्षिप्त प्रकाश डालीं।
5. शब्द आ पद के साम्य वैषम्य पर प्रकाश डालीं।

खण्ड–"ख"

6. बिहारी भाषा के भौगोलिक क्षेत्र आ ओकर उत्पत्ति पर प्रकाश डालें।
7. मैथिली विभाषा या बोली के भेदन पर संक्षेप में प्रकाश डाली।
8. भोजपुरी भाषा में शब्दन के मानकीकरन आ एकरूपता में कवन–कवन बाधक बा।
9. धातु के केतना भेद होला? सिद्ध धातु, साधित धातु आ नाम धातु से का समझत हईं?
10. भोजपुरी शब्दन के व्युत्पत्ति बताई –
    चलिहे, बेरा, एने, इहवाँ, तहवाँ, जहवाँ, कुजुन, चलीं।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-II, पत्र-XI

(भोजपुरी गद्य के अन्य रूप)

वार्षिक परीक्षा, 2016

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. "सुरतिया ना बिसरे" रेखाचित्र के दार्शनिक एवं मनोवैज्ञानिक संदर्भ पर प्रकाश दीहीं।
2. "एह (सुरतिया ना बिसरे) रेखाचित्र समाज में मानव के आसपास घटेवाली घटना के उपर लिखल गइल बा"—एह कथन की सत्यता के परीक्षा करीं।
3. "सुरतिया न बिसरे" के कौनो दो रेखाचित्र के सारांश आ उद्देश्य पर प्रकाश डालीं।
4. "सुरथा के पथार" संस्मरण के मुख्यभाव अपना शब्द में लिखीं।
5. साहित्य के विधा के रूप में संस्मरण आ जीवनी के बीच भेद के रेखांकित करीं।
6. शैली आ शिल्प की दृष्टि से यात्रा वर्णन के विभिन्न रूपन के परिचय दीहीं।
7. "सासाराम" आ "ई राँची ह" के विषय वस्तु पर प्रकाश दीहीं।
8. आचार्य महेन्द्र शास्त्री के सामाजिक विचार के परिचय दीहीं।
9. रिपोर्ताज के विशेषता का परिचय दीहीं।
10. शाहबादी जी के रचना "ऐनक" में प्रकृति वर्णन के परिचय दीहीं।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-II, पत्र-XII

(पाश्चात्य आलोचना एवं शैली विज्ञान)

वार्षिक परीक्षा, 2016

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. पाश्चात्य काव्य शास्त्र के विकास पर एगो छोट निबन्ध लिखीं।
2. अरस्तू के अनुकरण सिद्धान्त के स्पष्ट करीं।
3. अरस्तू के विरेचन सिद्धान्त के समीक्षा करीं।
4. "परम्परा बोध ना ता रूढ़ि के पालन ह अ ना व्यैक्तिक प्रज्ञा के विरोधी"– इलियट के एह कथन के तर्कपूर्ण विवेचन करीं।
5. आई० ए० रिचर्ड्स के मूल्य–सिद्धान्त के विवेचन करीं।
6. "अभिव्यंजना सिद्धांत एगो व्यापक काव्य–सिद्धान्त हवे", एह कथन के विश्लेषण करी।
7. भाषापरक दृष्टि से काडवेल के विचार निरूपित करीं।
8. कला के वर्गीकरण प आपन अभिमत व्यक्त करीं।
9. प्रतीक के महत्त्व बतावत परम्परागत प्रतीक से ओकर सम्बन्ध रेखांकित करी।
10. शैली विज्ञान के अवधारणा के स्पष्ट करी।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-II, पत्र-XIII

(भोजपुरी प्रबन्धकाव्य एवं मुक्तक काव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2016

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

प्रत्येक खण्ड से कम से कम दू गो प्रश्न के चुनाव करत कुल पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं।
सब प्रश्न के अंक समान बा ।

खण्ड–क

1. प्रबंध काव्य के अवधारणा पर विचार करत ओकरा भेदन के संक्षेप में परिचय दीं।
2. भोजपुरी प्रबंध काव्य के रस–विधान आ भाषिक संरचना पर आपन विचार प्रस्तुत करीं।
3. "कालजयी कुँवर सिंह" महाकाव्य के समीक्षा भारतीय काव्य शास्त्रीय निकष पर करीं।
4. "विश्वमित्र" के वस्तुशिल्प आ भाषिक संरचना के विशेषता के रेखांकित करीं।
5. "द्रौपदी" के कथावस्तु आ चरित्र पर एगो लगहर लेख लिखीं।

खण्ड–ख

6. "आगि लागे बनवाँ जरे परवतवा" पद के भावार्थ अपना भाषा में लिखी।
7. "फिरंगिया" कविता के विशेषता रेखांकित करीं।
8. संत कवि धरनीदास के अध्यात्मिक पक्ष के वर्णन करीं।
9. तैयब हुसैन पीड़ित के साहित्यिक विशेषता बतलायी।
10. सप्रसंग व्याख्या लिखी। :–

    (क) तोहरो दरद दुनिया तनिको ना बूझे
    कहेले गँवार तोहके झूठहूँ के जूझे
    जवने में न बस कवनो ओ मे कवन चारा।।

    (ख) सुन्दर सुथरभूमि भारत के रहे रामा, आज इहे भइल मसान रे
    अन्न, धन, जन, बल, बुद्धि सब नासभइल, कौनो के ना रहल निसान रे फिरंगिया।।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-II, पत्र-XIV

(भोजपुरी उपन्यास)

वार्षिक परीक्षा, 2016

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. उपन्यास के वर्गीकरण के विभिन्न दृष्टियन पर विचार करीं।
2. भोजपुरी उपन्यास का विकास के एगो संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करीं।
3. "फुलसुंधी" सामन्ती प्रेम कथा ह। एह कथन के समीक्षा करीं।
4. "फुलसुंधी" के गुलजारी बाई नारी–त्रासदी के उदाहरण बाड़ी–एह कथन पर अपना विचार लिखीं।
5. स्व0 रामनाथ पाण्डेय के व्यक्तित्व आ कृतित्व के आकलन करीं।
6. "इमरीतिया काकी" के उद्देश्य पर एगो लघु निबंध लिखीं।
7. "इमरीतिया काकी" समकालीन समस्या से जुड़ल उपन्यास बा। एह कथन के स्पष्ट करीं।
8. "ग्राम देवता" का शीर्षक के औचित्य पर प्रकाश डाली।
9. "ग्राम देवता" के संवाद–योजना पर आपन विचार दीहीं।
10. महेन्द्र मिसिर, जोगावन पाण्डे, हरख नारायण मौर्य एडवोकेट में से कवनो एक गो पात्र के चत्रिण–चित्रण करीं।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-II, पत्र-XV

(भोजपुरी नाटक)

वार्षिक परीक्षा, 2016

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. नाटक में गीत–नृत्य के महत्त्व पर प्रकाश डालीं।
2. सन् 1974 से 2007 का बीच लिखल गइल भोजपुरी नाटकन के विषयवस्तु पर प्रकाश डालीं।
3. लोक कलाकार भिखारी ठाकुर के जीवनी लिखीं।
4. भिखारी ठाकुर रचित "बिदेसिया" के कथानक अपना शब्द में प्रस्तुत करी।
5. "बिदेसिया" के गीत–योजना पर प्रकाश डाली।
6. "केहू ना हमार" नाटक के शिल्प एवं अभिनेता के समीक्षा करी।
7. "केहू ना हमार" नाटक में आज के गाँव के छल–कपट के बरनन भइल बा, समझा के लिखी।
8. "शुरूआत" के कथानक के आलोचनात्मक रूप में प्रस्तुत करी।
9. "शुरूआत" के रंगमंचीय स्थिति पर विचार प्रकट करीं।
10. "हाथी के दाँत" नाटक के नामकरण के सार्थकता पर विचार करीं।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-II, पत्र-XVI

(भोजपुरी से इतर भारतीय साहित्य)

वार्षिक परीक्षा, 2016

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. संस्कृत के महाकाव्यन के परिचय दीहीं।
2. संस्कृत के नाट्य साहित्य के परिचय दीहीं।
3. मलयालम के कहानियन के इतिहास लिखीं।
4. वीर शैवयुग (कन्नड़) के काव्य के परिचय दी।
5. गुजराती साहित्य के वैष्णव भक्तिधारा के कवियन के परिचय दी।
6. बंगला के प्रमाख्यान–काव्य के परिचय दी।
7. उर्दू के कहानी–साहित्य के परिचय दी।
8. "तमिल साहित्य में भक्ति साहित्य" के परिचय दी।
9. छायावाद के सामान्य प्रवृत्ति के उद्घाटन करीं।
10. हिन्दी साहित्य के कौनो दू गो उपन्यास लेखक के सामान्य परिचय दीं।

ꕥ ꕥ ꕥ